लकड़ी माफियाओं से पेड़ बचाओ मुहिम : भाग - 1

रात के अंधेरे में निकलते हैं अवैध लकड़ी से भरे ट्रक

बिना टीपी के खुलेआम हो रहा अवैध लकड़ियों का परिवहन, कई आरा मशीनों पर भी लाखों की अवैध लकड़ी का लगा है भंडार

शाजापुर, 8 दिसंबर. एक तरफ लोग पर्यावरण संरक्षण की बात करते हैं, पर्यावरण को बचाने के लिए पौधे लगाए जा रहे हैं. दूसरी तरफ खुले आम अवैध लकड़ी का कारोबार धड़ल्ले से जारी है. रात के अंधेरे में अवैध लकड़ी से भरे ट्रक निकाले जा रहे हैं. कई आरा मशीनों पर लाखों रुपए की अवैध लकड़ी का भंडार लगा हुआ है. बीते दिनों दुपाड़ा रोड से एक अवैध लकड़ी का ट्रक रात के अंधेरे में निकला, जो इंदौर के पास महू में किसी निर्माण कार्य के लिए जा रहा था. जब इस ट्रक की भनक पुलिस को लगी, तो यह ट्रक कनासिया से होता हुआ उज्जैन के रास्ते इंदौर पहुंचा. लगभग रोज रात के अंधेरे में कभी ट्रॉली, तो कभी ट्रक अवैध लकड़ी के कारोबार में संलग्न हैं.

गौरतलब है कि शाजापुर में पहले ही वन नहीं हैं. लेकिन खुलेआम आरा मशीनों पर अवैध लकड़ी का कारोबार धड़ल्ले से जारी है. कहने को तो वन विभाग है, लेकिन लकड़ी माफियाओं की अनुकंपा पर वन विभाग पल रहा है. यही कारण है कि बिना टीपी के खुलेआम अवैध लकड़ियों का परिवहन हो रहा है और कोई पकड़ने वाला नहीं है. दो दिन पहले ऐसा ही एक ट्रक अवैध लकड़ियों से लदकर इंदौर के लिए रवाना हुआ, जिसमें लगभग 7 से 8 लाख की लकड़ी अवैध रूप से परिवहन की गई.

गैस गोडाउन और दुपाड़ा रोड से निकलते हैं अवैध वाहन

गैस गोडाउन रोड से आए दिन निकलने वाले अवैध लकड़ी के ट्रेक्टर आसानी से देखे जा सकते हैं.

तो वहीं दुपाड़ा रोड से अवैध लकड़ी के भरे ट्रक रात के अंधेरे में बायपास होते हुए निकल जाते हैं. ऐसा नहीं है कि ये किसी से छुपा है. सबका हिस्सा बंधा हुआ है. इसलिए देखकर भी अनदेखी कर देते हैं. गैस गोडाउन रोड से हाट मैदान होते हुए डांसी रोड से गंतव्य तक अवैध लकड़ी से लदे ट्रेक्टर खुलेआम देखे जा सकते हैं. शाजापुर में कई आरा मशीनों पर अवैध रूप से लकड़ियों का कारोबार लाखों रुपए का संचालित हो रहा है. लकड़ी माफिया की सब जगह सेटिंग है. यही कारण है कि ट्रक निकलने के पहले ही सब मामला सेट हो जाता है. सूचना देने पर भी अवैध लकड़ी के वाहनों को पकड़ा नहीं जाता है. अब देखना यह है कि सही मायने में पर्यावरण और अवैध लकड़ी पर रोक लगाना है, तो एक मुहिम सभी आरा मशीनों पर चलाना होगी, तभी शहर और जिले का पर्यावरण सुरक्षित रहेगा.

आरा मशीना पर भरी पड़ी है अवैध लकड़ी

यदि वन विभाग कार्यवाही करना चाहे, तो शाजापुर शहर की कई आरा मशीनों पर आज भी लाखों रुपए की अवैध लकड़ी का भंडार मिल सकता है . एक आरा मशीन पर तो 30 लाख से अधिक की अवैध लकड़ी का भंडारण है, क्योंकि महू में कोई निर्माण कार्य चल रहा है, जहां शाजापुर से अवैध लकड़ी की सप्लाय होना है . ठंड के आगोश में अवैध लकड़ी का यह कारोबार बदस्तूर जारी है . पिछले दिनों एक ट्रक के जाने की सूचना पुलिस को मिली थी, लेकिन लकड़ी माफिया को भी इस बात की भनक लग गई थी कि आगे पुलिस खड़ी है, तो उसने हाईवे को छोड़कर कनासिया होते हुए इंदौर का सफर तय किया .

क्या फायदा पेड़ लगाने से...

हर साल बरसात में एक पेड़ लगाने की मुहिम लगाने की मुहिम चलाई जाती है, लेकिन दूसरी ओर खुलेआम हरे-भरे वृक्ष काटे जा रहे हैं, जिस पर किसी का ध्यान नहीं है . ऐसे पर्यावरण को बचाने की गगनचुम्बी बातें करने से क्या फायदा . यदि सही मायने में पर्यावरण बचाना है, तो प्रशासन और वन विभाग को संयुक्त रूप से आरा मशीनों की आकस्मिक जांच करना होगी .

एक नजर में

नशे से दूर रहने का संदेश दिया

शुजालपुर, 8 दिसंबर . राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति तृतीय जिला न्यायाधीश शुजालपुर सपना पोर्ते के निर्देशन में शहर के निजी स्कूल में विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन कर स्कूल के छात्र-छात्राओं को उनके अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया . उक्त शिविर में न्यायाधीश शुजालपुर अन्नपूर्णा भदौरिया ने शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशा पीडितों के लिए विधिक सेवा योजना के बारे में बताते हुए बच्चों को नशे की लत से दूर रहने का संदेश दिया . इसके साथ ही बच्चों को उनके बाल अधिकार एवं कतव्यों के बारे में भी विस्तार से समझाते हुए यातायात नियमों का पालन करने के बारे में भी समझाईश दी .न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि संविधान हमारे अधिकारों की रक्षा करता है और हमारे कर्तव्यों के बारे में भी हमें बताता है । उक्त विधिक साक्षरता शिविर में न्यायाधीश के साथ विधिक सेवा समिति शुजालपुर न्यायालय के कर्मचारी शुभम राजावत,भोजराज कारपेंटर, महेन्द्र मंडलोई, राकेश परमार, मुकेश वर्मा, वीणा गोयल के साथ पैरालीगल वॉलेंटियर्स ग्रीष्मा शाह एवं पैरालीगल वॉलेंटियर्स प्रीति उपाध्याय तथा सामाजिक कार्यकर्ता अभिनंदन जैन सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे . साथ ही बालकृष्ण शर्मा नवीन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर शिविर का समापन किया गया .

नियमित भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखें

शुजालपुर, 8 दिसंबर . पुलिस अधीक्षक शाजापुर यशपाल सिंह राजपूत ने सोमवार को थाना शुजालपुर सिटी एवं शुजालपुर मंडी की संयुक्त बैठक ली . बैठक में दोनों थानों में दर्ज विभिन्न पेंडिंग अपराध, चालान, मर्ग एवं गुम इंसान प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई . पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण की प्रगति पर संबंधित विवेचकों को शीघ्र निकाल के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए तथा गंभीर एवं लंबित मामलों में विशेष प्राथमिकता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए . बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्र में पुलिस की सतत पेट्रोलिंग बनाए रखने एवं रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए थाना प्रभारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया . उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने पर बल दिया . पुलिस अधीक्षक राजपूत ने कर्मचारियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, गश्त व्यवस्था तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए .

सीएम राइज की छात्रा का शव रेलवे पटरी पर मिला

शुजालपुर, 8 दिसंबर . शहर स्थित सांदीपनि सीएम राइज विद्यालय की कक्षा 12वी में पढ़ने वाली ग्रामीण अंचल की 15 वर्षीय छात्रा का शव शुजालपुर रेलवे स्टेशन से कालापीपल की और भूगोर गांव के समीप रेलवे पटरी पर मिला . छात्रा के सिर में चोट का निशान था एवं छात्रा की पहचान उसके पास मिले पहचान पत्र से हुई . यह घटना सोमवार को दोपहर में 12 से 1 के बीच होना बताई गई . पुलिस ने शव का परीक्षण कराकर मर्ग कायम करते हुए शव परिजनों को सौंपा . मिली जानकारी अनुसार मृतका सताक्षी बकोदिया पिता मुकेश बकोदिया निवासी पंचदेहरिया सीएम राइज शुजालपुर में कला संकाय से कक्षा 12वी में अध्ययनरत थी . यह छात्रा सोमवार को स्कूल पहुंची थी और 11.30 बजे स्कूल से निकली, इस छात्रा को 11.30 से 12 बजे तक अतिरिक्त कक्षा में भी शामिल होना था लेकिन सताक्षी ने अपनी सहेली से बैंक में काम होने की बात कहकर निकली . सताक्षी बीटीआई परिसर स्थित छात्रावास में रहकर स्कूल आना जाना करती थी . इस छात्रा के निधन की खबर से सीएम राइज विद्यालय में शोक छा गया .

युवक से मारपीट, चार पर मामला दर्ज

शुजालपुर, 8 दिसंबर . पुलिस थाना मंडी क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम डाबरी में रविवार की रात्रि में एक युवक के साथ चार लोगों ने मारपीट की . पुलिस को फरियादी अभिषेक मालवीय पिता कुमेरसिंह 18 वर्ष निवासी डाबरी ने बताया कि वह गांव में जगदीश सूयवंशी की किराने की दुकान के सामने रात्रि 10 बजे बैठा हुआ था तभी गांव के आमीन पिता शाहबुद्दीन, खालिद पिता शाहबुद्दीन, इकरार पिता शाहबुद्दीन तीनों आए और पुरानी रंजीश के चलते मारपीट की, जिससे पेरों में चोटे आई . जब गांव का सुनिल मालवीय बीच बचाव करने लगा तो अरबाज पिता फारूक खान भी आ गया और सुनिल के साथ मारपीट की, पुलिस ने शिकायत पर चारों लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज किया .

न कोई कानून, न कोई कायदा : ये है राजनीतिक पापाओं का फायदा...

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

प्रशासन हो या पुलिस हो, यहां के कानून-कायदे केवल आमजन या आम आदमी के लिए है. आप जरा भी किसी राजनीतिक पापा को दूर से जानते हैं, तो फिर आपके लिए न कोई कानून है और न कोई कायदा. चाहे थाने की बात करें या फिर यातायात पुलिस की बात करें. रिपोर्ट लिखनी या लिखानी है, कैसी रिपोर्ट होगी, आरोपी पकड़ना है, कितने आरोपी पकड़ना है, कितने छोड़ना है, किस गाड़ी का चालान बनाना है, किस गाड़ी को छोड़ना है, ये सब निर्भर करता है आपके पापाओं की राजनीतिक शक्तियों पर. कुछ राजनीतिक पापा ऐसे हैं, जिनको राजनीतिक दादाओं की जरूरत पड़ती है. कुछ राजनीतिक पापा ऐसे भी हैं, जिनकी न पुलिस सुनती है और न अधिकारी. तो ऐसे राजनीतिक पापा जरूरत के समय या तो फोन बंद कर लेते हैं या फिर खुद कवरेज से बाहर हो जाते हैं. पुलिस की कार्यवाही हो या प्रशासनिक. वो केवल अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक ही सीमित है. या फिर अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के पास यदि किसी राजनीतिक पापा का नंबर है, तो वो भी कायदे और कानून से बच सकता है. यदि आपके पास राजनीतिक पापा हैं, तो आपको हेलमेट पहनना अनिवार्य नहीं है, आपको मोटर साइकिल और कार के कागज रखना जरूरी नहीं है, आप तेज गति से वाहन चला सकते हैं, रॉन्ग साइड में गाड़ी खड़ी कर सकते हैं. ये सब करने के लिए या तो आपके पास राजनीतिक पापा हों या लक्ष्मी माता. दो में से अगर एक भी है, तो आप कानून कायदों को आराम से ठेंगा दिखा सकते हैं. यदि आप थाने में जा रहे हैं, तो राजनीतिक पापा का फोन लग जाए या जेब में लक्ष्मी माता हो, यदि आप तहसील जा रहे हैं और पटवारी से काम है, तो यहां थोड़ा उल्टा है. यहां प्राथमिकता लक्ष्मी माता को है, इसके बाद राजनीतिक पापा का नंबर आता है. क्योंकि राजस्व के कामों में अकेले राजनीतिक पापा से काम नहीं चलता है. राजनीतिक पापा के साथ-साथ लक्ष्मी माता का होना भी जरूरी है. यदि ये दोनों आपके पास हैं, तो फिर आपका कैसा भी काम हो, उसे कोई भी कानून नहीं रोक सकता है. राजनीतिक पापाओं के फोन आते ही पुलिस और अधिकारियों को केवल होंठ हिलते हैं आवाज हवा बनकर निकल जाती है. लेकिन यदि आप आम आदमी हैं और आपको थाने का काम पड़ गया या यातायात पुलिस से पाला पड़ गया या फिर तहसील में कोई काम अटक गया है, तो फिर साहब बहादुरों के तेवर और आवाज इतनी बुलंद होती है मानो वाघा बॉर्डर पर दुश्मन को ललकार रहे हों. इसलिए अब आपको सिस्टम में रहना है, तो राजनीतिक पापाओं का आशीर्वाद या किसी भी एक राजनीतिक पापा का सिर पर हाथ होना जरूरी है.

विधायक ने उड़ा दिए मैना के तोते...

अस्पताल की मैना के तोते विधायक ने उड़ा दिए. हुआ यूं था कि एक मरीज के लिए विधायक ने फोन लगाया, जब कर्मचारी ने बात करने से मना किया, तो अस्पताल पहुंचे माननीय ने सिविल सर्जन मैना के ऐसे तोते उड़ाए कि मुंह से केवल जी के अलावा दूसरा शब्द नहीं निकला. और आनन-फानन में पूछताछ काउंटर भी बना दिया और लगे हाथ एक कर्मचारी को नोटिस भी थमा दिया. समय-समय पर यदि विधायक मैना के ऐसे ही तोते उड़ाते रहे, तो अस्पताल की व्यवस्थाएं कुछ हद तक सुधर जाएंगी.

नेताओं को है अपने पुनर्वास की आस

जिले के कुछ नेताओं को अब अपने राजनीतिक पुनर्वास की आस है. कोई जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष बनने की आस लगाकर बैठा है, तो कोई निगम में अध्यक्ष की आस में परेशान है. तो कोई जनभागीदारी अध्यक्ष बनने की जुगाड़ में है. अब देखना यह है कि किस नेता को राजनीति में पुनर्वास मिलता है और किसको वनवास. हालांकि सबसे ज्यादा ठगा महसूस पूर्व विधायक केदार सिंह मंडलोई कर रहे हैं. क्योंकि उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन की, लेकिन उन्हें न विधानसभा में टिकट मिला और न सहकारिता बैंक में कुर्सी. अब देखना है कि इस बार के पुनर्वास में उन्हें कोई कुर्सी मिलती है या फिर भाजपा के मार्गदर्शक मंडल में ही लोगों को मार्गदर्शन करेंगे.

अंत में...

हुकुमत को हारने का खौफ रहे, वरना खौफ की हुकुमत हो जाएगी.

शिव परिवार के साथ विराजेंगे राम भक्त हनुमान

पांच दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ, 12 को होगी प्राण-प्रतिष्ठा

शाजापुर, 8 दिसंबर. महूपुरा में चल रहा रणजीत हनुमान मंदिर का निर्माण जनसहयोग से पूर्ण हो चुका है, जहां अब पांच दिनों तक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा. जिसकी शुरूआत सोमवार को श्री रणजीत हनुमान जी और शिव परिवार की प्रतिमाओं को दस विधी स्नान जलाधिवास के साथ हुई. जिसमें बड़ी संख्या में श्रव्द्धालुओं ने उपस्थित होकर प्रभु का स्मरण किया, मंदिर में 12 दिसंबर को श्री रणजीत हनुमान जी शिव परिवार सहित विराजेंगे.

नगर के महुपुरा चौराहा पर स्थित प्राचीन श्री रणजीत हनुमान मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था जो अब पूर्ण हो चुका है. मंदिर का निर्माण पूर्ण होते ही अब यहां प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी. जहां पांच दिनी वृहद प्राण.प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया जा रहा है. सोमवार से हनुमानजी और शिव परिवार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का 5 दिवसीय आयोजन प्रारंभ भी हो गया. आयोजन के प्रथम दिन श्री रणजीत हनुमान जी और शिव परिवार की प्रतिमाओं को दस विधी स्नान जलाधिवास कराया गया. आयोजन के तहत मंगलवार को मंदिर पर पुष्य नक्षत्र मंडल पूजन, फलाधीवास एवं पुष्पाधीवास होगा तथा तृतीय दिवस बुधवार को अश्लेषा नक्षत्र मंडल पूजन एवं भगवान का धनाधीवास होगा. चतुर्थ दिवस गुरुवार को मधा नक्षत्र मंडल पूजन, भगवान का पंचामृत अभिषेक, संयनवास पत्ताधीवास एवं अग्नि स्थापना की जाएगी. कार्यक्रम के अंतिम दिवस 12 दिसंबर शुक्रवार को हनुमान अष्टमी के अवसर पर पूर्व फाल्गुनी नक्षत्र मंडल पूजन, भगवान की प्राण प्रतिष्ठा, कलश यात्रा एवं महाआरती का आयोजन होगा. मंदिर सेवा समिति के अनुसार इस दिन संध्या 4 से रात्रि 10 बजे तक भंडारे का आयोजन किया जाएगा. समस्त धार्मिक आयोजन पं. सुमित व्यास यज्ञाचार्य द्वारा संपन्न कराए जाएंगे.

पूरे मार्ग पर भी की गई है आकर्षक साज सज्जा

मंदिर पर पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन के लिए आकर्षक साज.सज्जा की गई हैं. इसके साथ ही यहां पर मिट्टी से हवन कुंड बनाया गया हैं. वहीं मंदिर के आसपास पूरे मार्ग पर भी आकर्षक साज सज्जा की गई है. प्रतिदिन यहां पर होने वाले धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में भक्त सम्मिलित होकर धर्म का लाभ लेंगे. श्री रणजीत हनुमान मंदिर सेवा समिति ने अधिक से अधिक भक्तों से संपूर्ण आयोजन में सम्मिलित होकर आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध किया हैं.

पं. नवीन की जन्म स्थली की फिर हुई अनदेखी

साहित्य अकादमी ने निभाई औपचारिकता, स्थानीय लोगों ने आयोजित किया कार्यक्रम

शुजालपुर, 8 दिसंबर. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राष्ट्र कवि पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन की जयंती क्षेत्र के साहित्यकारों ने उनकी जन्म स्थली ग्राम भ्याना नवीन नगर में सोमवार को मनाई. अपनी काव्य पंक्तियों के माध्यम से आजादी की अलख जगाने वाले मालवा के इस गौरव की जयंती अवसर पर उनकी जन्म स्थली की एक बार फिर साहित्य अकादमी ने अनदेखी की.

पं. नवीन की जन्म स्थली पर पहुंचा हिन्दी लेखिका संघ प्रतिनिधिमंडल

पूर्व में पं. नवीन की जन्म स्थली ग्राम भ्याना में साहित्य अकादमी द्वारा विधिवत आयोजन किया जाता था, शहर के साहित्यकारों, प्रबुद्ध जनों सहित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे, इसके लिए बकायदा आमंत्रण पत्र भी वितरित किए जाते थे. शहर में साहित्य अकादमी द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया जाता था. लेकिन इस वर्ष ऐसा कोई भी कार्यक्रम साहित्य अकादमी ने पं. नवीन की जन्म स्थली पर नहीं किया, जिससे क्षेत्र के साहित्यकारों व स्थानीय ग्रामीणों में साहित्य अकादमी के प्रति आक्रोश दिखा. ग्राम भ्याना निवासी जमनाप्रसाद खन्ना ने कहा कि वैसे तो पं. नवीन पुरे देश के होकर राष्ट्रीय कवि थे, जिन्होंने छोटे से गांव भ्याना में जन्म लेकर देशभर में आजादी का अलख जगाया. साहित्य अकादमी पूर्व में उनकी जयंती पर कार्यक्रम विधिवत आयोजित करती थी लेकिन विगत एक दो वर्षो से उनकी जन्म स्थली को नजर अंदाज किया जा रहा है जो कि उचित नहीं है.

स्थानीय नागरिकों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन...

पं . नवीन की जयंती अवसर पर सोमवार को उनकी जन्म स्थली ग्राम भ्याना पहुंचकर साहित्यकारों ने उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित किए . मध्य प्रदेश हिंदी लेखिका संघ प्रतिनिधि मंडल प्रतिवर्षानुसार मालवा के गौरव पं . नवीन की जन्मस्थली भ्याना नवीन नगर पर पहुंचे एवं उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए . साथ में बच्चों के साथ मिलकर नवीनजी की कविता का पाठ किया . लेखिका संघ जिलाध्यक्ष ग्रीष्मा शाह, जिला सचिव वीणा गोयल, शुजालपुर अध्यक्ष संध्या धारीवाल, कोमल देशमुख और नन्हे मुन्ने बच्चों ने नवीन जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए . सभी बच्चों को कापियां और खेल सामग्री वितरीत की . साथ ही ग्राम पंचायत सरपंच अम्बाराम, परशराम धनगर, योगेश पाठक सहित अन्य ग्रामीणों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की . यहां पर गांव की बेटियां अंजलि धनगर, लक्ष्मी बड़ोदिया ने पं . नवीन की कविता हम अनिकेत का पाठ किया .

एक नजर में — बीकेएसएन कॉलेज में मनाई नवीन जी की 128वीं जयंती

नवीन जी ऐसे साहित्यकार थे, जो जीवनभर राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे : विधायक

शाजापुर, 8 दिसंबर. प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, बीकेएसएन शासकीय महाविद्यालय, शाजापुर में सोमवार को पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की 128वीं जयंती मनाई गई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि नवीन जी एक ऐसे साहित्यकार थे, जो जीवन भर राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे. उन्होंने नवीन जी की कुमकुम, रश्मिरेखा, अपलक, क्वासी जैसी कालजयी कृतियों पर भी प्रकाश डाला.

इसके पूर्व विधायक ने मां सरस्वती का पूजन-अर्चन कर नवीन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. स्वागत भाषण महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य प्रो. मीनू गिडवानी ने दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा ने की. उन्होंने बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर को वापस पूर्ण नाम पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' शासकीय महाविद्यालय, शाजापुर करने पर जोर देते हुए कहा कि इस कार्य हेतु उच्च शिक्षा विभाग को भी संज्ञान में ला दिया गया है.

आयोजन के विशिष्ट अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष आशीष नागर, विशेष अतिथि नगर महामंत्री गोविन्द नायक, युवा मोर्चा जिला मंत्री राहुल परमार, वार्ड नंबर 28 के पार्षद मुकेश दुबे, भाजपा आईटी सेल प्रभारी अमित साखलिया रहे. आयोजन में साहित्यकार बीएल सौराष्ट्रीय ने काव्यपाठ करते हुए नवीन जी के साहित्यिक पक्ष पर बात की. कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. वीपी मीणा सहित स्टाफ, रासेयो स्वयंसेवक, एनसीसी केडेट्स एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन नवीन जयंती प्रभारी व भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. बीएल मालवीय ने किया. आभार राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा ने माना.